|| श्री महावीराय नम : ||

श्री ग्रेटर बोम्बे वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ

संचालित

मातुश्री मणिबेन मणशी भीमशी छाडवा धार्मिक शिक्षण बोर्ड

Website : www.jainshikshan.org **E mail :** jainshikshanboard@gmail.com

११ जान्युआरी २०२६ **महिला मंडल** **कुल गुण : १००**

सूचना : १) जिस प्रकार सवाल पूछा गया हो उस प्रकार जवाब लिखने हैं। वार्ता एवं थोकडे के लंबे जवाब लिखने नहि हैं।

२) आप के जवाब पेपर में आपने ओपन बुक दी है कि रेग्युलर यह खास लिखना हैं। जिसने नहीं लिखा रहेगा यदि उसका नंबर आएगा फिर भी नंबर नहीं दिया जाएगा।

श्रेणी - २

STUDENT NAME		ROLL NO.	
DATE OF BIRTH		MOBILE NO.	
OPEN /REGULAR		WRITER YES/NO	
SANGH NAME		SUPARVISOR SIGN	
MAHILA MANDAL		TOTAL MARKS	

(४०)

प्र. १ सामायिक-प्रतिक्रमण के आधार पर लिखिए।

(१) निम्नलिखित पाठों की पूर्ति कीजिए। (नीचेना पाठनी पूर्ति करो।) **(१२)**

१. लोगुत्तमाणं .....

..... अभयदयाणं

२. सिज्जंस ..... वंदामि

३. काएणं ..... न सोहियं

४. दुविहं ..... वयसा

५. कम्माणं ..... उससिएणं

६. सिद्धा ..... दिंतु

(२) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए। (नीचेना शब्दोना अर्थ लखो।) **(८)**

१. अभिथुआ ..... २. बोहिदयाणं .....

३. पच्चक्खामि ..... ४. धम्म तित्थयरे .....

५. न तीरियं ..... ६. आलोउं .....

७. बोहयाणं .....

८. परियाविया .....

(३) निम्नलिखित शब्दों के मूल पाठ (मागधी शब्द) लिखिए। (नीचेना शब्दोनुं मागधी लखो।) **(८)**

१. प्रकाश करनेवाले (प्रकाश करनारा) .....

२. औरों को जितानेवाले (बीजाने राग-द्वेषथी जीतावनारा) .....

३. रोगरहित .....

४. श्रुत धर्म करनेवाले (श्रुतधर्मनी आदि करनारा) .....

५. क्षय रहित .....

६. आचरण करने योग्य नहीं है (आचरण करवा योग्य नथी) .....

७. सचित्त पानी (सचेत पाणी) .....

८. मुझे बताएं (मने बतावो) .....

(४) निम्नलिखित प्रश्नो के निर्देशानुसार उत्तर लिखिए। (नीचेना प्रश्नोना उत्तर मांग्या प्रमाणे लखो।) **(६)**

१. विकथा किसे कहते है? (विकथा कोने कहेवाय?) .....

.....

२. लोगस्स के दूसरे नाम क्या है? (लोगस्सना बीजा कया नाम छे?) दो शब्द में लिखिए।

.....

३. तीर्थंकर भगवान के गुरु कौन है? (तीर्थंकर भगवानना गुरु कोण कहेवाय?)

.....

४. गरिहामि किसे कहते है? (गरिहामि कोने कहेवाय?)

.....

५. सामायिक किसका धर्म है? (सामायिक शेनो धर्म छे?) एक शब्द में लिखिए। .....

६. तीर्थ में किसका समावेश होता है? (तीर्थमां कोनो समावेश थाय छे?)

.....

(५) मुजे पहचानो मैं कौन? (मने ओळखो।) **(६)**

१. में मोहयुक्त ईच्छा हूं। (हुं मोहयुक्त ईच्छा छुं।) .....

२. हम तीनो लोक में ज्ञान का प्रकाश करते है। (अमे स्पूर्ण लोकमां ज्ञानरुपी प्रकाश करनारा छीअे।)

.....

३. देव मेरे द्वारा तीर्थंकर की स्तुति करते है। (देवो मारा द्वारा तीर्थंकरनी स्तुति करे छे।) .....

४. मेरा दूसरा नाम पुष्पदंत है। (मारुं बीजुं नाम पुष्पदंत छे।) .....

५. हम जन्म-मरण से रहित है। (अमे जन्म-मरणथी रहित छीए।) .....

६. भगवान ने मुजे आवश्यक कहा है। (भगवाने मने आवश्यक कीधुं छे।) .....

(२०)

प्र. २ सामान्य समझ विभाग के आधार पर लिखिए। (सामान्य समजण विभागना आधारे लखो।)

(१) निम्नलिखित प्रश्नो के निर्देशानुसार उत्तर लिखिए। (नीचेना प्रश्नोना उत्तर मांग्या प्रमाणे लखो।) (१०)

१. अभिगम ३ और ५ .....

२. वर्तमान तीर्थंकर १, २ और १५ .....

.....

३. तत्त्व २, ८ और ५ .....

४. भयानक स्तर के दु:ख देनेवाली गति (भयंकर दु:ख मळे तेवी गति) .....

५. सभी जीवों के प्रति (सर्व जीवो प्रत्ये) .....

(२) निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर एक निर्देशानुसार लिखिए। (नीचेना प्रश्नोना उत्तर मांग्या प्रमाणे लखो।) (१०)

१. हमारा समावेश किस तत्त्व में होता है? (आपणो समावेश कया तत्त्वमां थाय छे?) एक शब्द में लिखिए।

.....

२. वर्तमान तीर्थंकर कहां बिराजते है? (वर्तमान तीर्थंकर क्यां बिराजे छे?)

.....

३. क्या करने से जीव देवगति में जाते है? (शुं करवाथी जीवों देव गतिमां जाय छे?) .....

.....

४. अभिगम का पालन कैसे करना चाहिए? (अभिगमनुं पालन केवी रीते करवुं जोइअे?) दो शब्द में लिखिए।

.....

५. संवर तत्त्व किसे कहां प्रवेश करने नहि देता? (संवर तत्त्व शुं आववा न दे?)

.....

६. समकित की प्राप्ति कैसे होती है? (समकितनी प्राप्ति कोण करावे छे?)

.....

७. अपना भविष्य किसके हाथ में है? (आपणुं भविष्य कोना हाथमां छे?)

.....

८.धर्मस्थान दूर से दिखें तो वचन से क्या करना है?(दूरथी धर्मस्थान देखाय तो वचनथी शुं करवुं?)

.....

९. हमारी मंझिल क्या होनी चाहिए? (आपणी मंझिल शुं होवी जोइए?) दो शब्द में लिखिए।

.....

१०. आचरण करने जैसे तत्त्व कौन से है? (आचरवा जेवा तत्त्व कया छे?)

.....

(१५)

प्र. ३ तत्त्व/संस्कार विभाग के आधार पर लिखिए। (तत्त्व/संस्कार विभागना आधारे लखो।)

(१) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। (खाली जग्या पूरो।) (१०)

१. जैनधर्म में ..... को विशेष ..... दिया गया है। (जैनधर्ममां ..... ने विशेष ..... आप्युं छे।)

.....

२. आलू के एक ..... में ....., आत्मा होती है। (बटेटाना एक ..... मां..... आत्मा होय छे।)

.....

३. ..... की गणना चंद्र ..... की ..... के आधार पर होती है (..... नी गणतरी चंद्रना ..... नी ..... ना आधारे थाय छे।)

.....

४. जैनधर्म कहता है ..... और ..... । (जैनधर्म ..... अने ..... एम कहे छे।)

.....

५. दिन की शुरुआत ..... को प्रणाम ..... और ..... के दर्शन से करनी चाहिए।

(दिवसनी शुरुआत ..... ने पगे लागी ..... अने ..... ना दर्शनथी करवी जोइए।)

.....

६. मैं ..... हूं। मैं ..... से भिन्न ऐसा..... हूं। (हुं ..... छुं। हुं ..... थी भिन्न ..... छुं.)

.....

७. जिसमें ..... होती है वह आत्मा है। उसके स्वरुप को ..... बोल द्वारा जान शकते है। .....

(जेमां ..... छे ते आत्मा छे। तेना स्वरुपने ..... बोल द्वारा जाणी शकाय।

८. केवलज्ञानी ....., ... और ..... को पूरी तरह से जानता है। .....

(केवळज्ञानी ....., ... अने ..... संपूर्ण जाणे छे।

(२) निम्नलिखित वाक्य सही है या गलत? (नीचेना वाक्य साचा छे के खोटा?) (५)

१. आत्मा को ईन्द्रिय द्वारा जाना जा शकता है। (आत्माने ईन्द्रिय वडे जाणी शकाय छे।)

.....

२. आत्मा शरीर के हर अंग में व्याप्त है। (आत्मा शरीरना दरेक भागमां व्याप्त छे।) ....

३. हम भगवान नहीं बन शकते है। (आपणे भगवान न बनी शकीए।) ....

४. सुखडी जो बहुत ही सहेतमंद सामग्री से बनती है। (सुखडी ए **HEALTHY INGREDIENATS** थी बने छे।)

....

५. भगवान सुख-दुःख देते ही। (भगवान सुख-दुःख आपे छे।) ....

६. मृत्यु के साथा आत्मा भी जल जाती है। (मृत्यु पछी आत्मा पण बळी जाय छे।) ....

७. कृष्ण पक्ष में १५ तिथि होती है। (कृष्ण पक्षमां १५ तिथि होय छे।) ....

८. जन्मदिन के दिन सामायिक करनी चाहिए। (जन्मदिवसे सामायिक करवी जोइए।) ....

९. शुभभाव में आयुष्य का बंध होता है तो सद्गति का होता है। (शुभ भावमां आयुष्यनो बंधाय तो सद्गतिनुं आयुष्य बंधाय छे।)

....

१०. समय के साथ आत्मा की शुरुआत हुई है। (समय साथे आत्मानी शरुआत थई छे।) ....

(५)

प्र. ४ धर्म और विज्ञान के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर एक वाक्य में लिखिए। (नीचेना प्रश्नोना उत्तर एक वाक्यमां लखो।)

१. भाव से अहिंसामय बनने शे क्या लाभ होता है? (भावथी अहिंसामय बनवाथी शुं लाभ थाय छे?)

....

२. महावीर के सिद्धांत किसका वातावरण सर्जते है? (महावीरना सिद्धांतो शेनुं वातावरण सर्जे छे?) एक शब्द में लिखिए।

....

३. जंगल काटने से क्या होता है? (जंगलो कापवाथी शुं थाय छे?)

....

४. भगवानने किसी भी परिस्थिति को समझने के लिये क्या बताया है? एक शब्द में लिखिए। ....

(भगवाने कोइपण परिस्थितिने समजवा शुं बताव्युं छे?)

५. हमारा जीवन कैसा होना चाहिए? (आपणुं जीवन केवुं होवुं जोइए?)

....

(१०)

प्र. ५ वार्ता के आधार पर लिखिए। (वार्ताना आधारे लखो।)

(१) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। (खाली जग्या पूरो।) **(५)**

१. ...... गर्मी का दर्द ...... सहन नहीं कर पाते । (उनाळामां ...... तापनी पीडा ...... थी सहन थई नहीं।)

....

२. ..... को देखकर हाथी को ..... ज्ञान हुआ। (..... ने जोइने हाथीने ..... ज्ञान थयुं।)

.....

३. ..... के कारण सब कीडे ..... में आ गए। (..... ने कारणे बधा कीडाओ ..... मां आवी गया।)

.....

४. ..... की माला कभी ..... नहीं। (..... नी माळा क्यारेय ..... नहीं।) .....

५. वृद्ध कृष्ण वासुदेव प्रति ..... और ..... भाव प्रगट किए। (वृद्धे कृष्ण वासुदेव प्रत्ये ..... अने ..... भाव व्यक्त कर्यो।)

.....

(२) कौन किससे कहता है? (कोण बोले छे अने कोने कहे छे?) **(५)**

१. तुमने जिस व्रत का स्वीकार किया है उसका अच्छी तरह से पालन करो।(ते जे व्रत स्वीकार्युं छे तेनुं सारी रीते पालन कर।)

.....

२. गलती से भी भगवाननी की वाणी को मत सुनना। (भूले-चूके पण भगवाननी वाणी सांभळतो नहीं।)

.....

३. इस अवसर्पिणी काल के प्रथम वासुदेव बनेंगे। (आ भरतक्षेत्रनो प्रथम वासुदेव थशे।)

.....

४. देवताओं की आंखो की पलके कभी नहीं झपकती। (देवोना आंखनी पलक क्यारेय झपके नहीं।)

.....

५. सच्चा धर्म आप के पास है या भगवान के पास? (साचो धर्म तमारी पासे छे के प्रभु पासे?)

.....

(१०)

प्र. ६ काव्य विभाग के आधार पर नीचे दी गई कविता पूरी करे। (नीचेना काव्यनी पूर्ति करो।)

१. घर का (घरनी) ..... **(३×२)**

.....

.....

..... **आहार..।**

२. सभी के (बधा साथे) .....

.....

.....

कमाना है (कमाववा छे)।

.....

३. इह ..... (२×२)

.....

..... जिणचंद।

४. संस्कारी .....

.....

..... पुण्य।

जय जिनेन्द्र

- PLEASE CONATACT DSB HELPLINE NO. 9702277914 FOR FREE ONLINE SHRENI CLASSES.
- NEXT CLASS STARTS FEBRUARY 2ND/3RD MONDAY AND TUESDAY.
- TO JOIN OUR TELEGRAM GROUP. CONTACT DSB HELPLINE NO. 9702277914.
- FOR BOOKS AND EXAM REGISTRATION.